⇒ अमेरिका में व्यवस्थापिका (LEGISLATURE IN AMERICA)

अमेरिका में व्यवस्थापिका को कांग्रेस के नाम से पुकारा जाता है यह ब्रिटेन की संसद की तरह द्विसदनात्मक है। इसके प्रथम सदन को प्रतिनिधि सभा (House of Representatives) और द्वितीय सदन को सीनेट (Senate) कहा जाता है।

सीनेट (Senate)

सीनेट अमेरिकी कांग्रेस का द्वितीय या उच्च सदन है इसमें प्रतिनिधित्व का आधार राज्यों की समानता का सिद्धांत है प्रत्येक राज्य को सीनेट में दो (2) प्रतिनिधि भेजने का अधिकार है अमेरिकी संविधान के अनु. 5 में कहा गया है कि किसी राज्य को इसकी सहमति के बिना सीनेट में मताधिकार की समानता से वंचित नहीं किया जा सकता। राज्य चाहे छोटा हो या बड़ा, इसकी जनसंख्या कम हो या अधिक - इन सब बातों पर ध्यान दिए बिना प्रत्येक राज्य को दो प्रतिनिधि भेजने का अधिकार प्राप्त है यही कारण है कि सीनेट को राज्यों का सदन कहा जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्यों की संख्या 50 है, इसलिए सीनेट के कुल सदस्यों की संख्या 100 है सीनेट के सदस्यों को 'सीनेटर' कहते हैं।

⇒ प्रत्यक्ष निर्वाचन -

संविधान के मौलिक प्रबंध के अनुसार, सीनेट के सदस्यों का निर्वाचन राज्यों के विधानमंडलों द्वारा किया जाता था। संविधान के नवें संशोधन के अनुसार, सीनेट के सदस्यों का निर्वाचन राज्यों की जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से होने लगा। यदि किसी राज्य का स्थान रिक्त रहे तो उस राज्य का राज्यपाल अस्थायी रूप से इस रिक्त पद को भर देता है, जब तक कि जनता स्वयं सदस्य का निर्वाचन कर ले।

(i) → स्थायी सदन — अमेरिकी सीनेट एक स्थायी सदन है। सदस्यों का निर्वाचन 6 वर्ष के लिए होता है प्रत्येक 2 वर्ष पर एक-तिहाई सदस्य (1/3) स्थान रिक्त कर देते हैं, और इन स्थानों की पूर्ति के लिए नया निर्वाचन होता है। अतः सीनेट हमेशा अस्तित्व में रहनेवाला निकाय है।

⇒ सदस्यों की योग्यताएँ :—

सीनेट का सदस्य होने के लिए उम्मीदवार को निम्नलिखित योग्यताओं की आवश्यकता होती है —

(i) उनकी उम्र कम-से-कम 30 वर्ष हो।

(ii) वे नौ वर्ष से संयुक्त राज्य अमेरिका राज्य के नागरिक हों।

(iii) उन्हें उन राज्यों का भी नागरिक होना आवश्यक है, जिन राज्यों से उन्हें निर्वाचित होना हो।

अन्य योग्यता — (i) वे अमेरिका के जन्मजात नागरिक हों।

(ii) वे महत्वपूर्ण सार्वजनिक पदों पर रह चुके हों।

(iii) वेतन, भत्ता तथा उन्मुक्ति :—

सीनेट के सदस्यों का वेतन प्रतिवर्ष 30,000 डॉलर है इसके अतिरिक्त उन्हें 17,500 डॉलर क्लर्क के लिए और 12,000 डॉलर वार्षिक कार्यालय के लिए खर्च मिलता है उन्हें भाषण देने की स्वतंत्रता प्राप्त है तथा वे गिरफ्तार नहीं किए जा सकते।

कार्यविधि ⇒ सीनेट स्वयं अपने कार्यविधि का निर्माण करती है प्रतिनिधि सभा की तुलना में इसकी कार्यविधि बहुत आसान है प्रत्येक विधेयक या प्रस्ताव के तीन वाचन होते हैं तीसरा वाचन पूरे सदन की समिति (committee of the whole) में होता है सीनेट में वाद-विवाद पर कोई सीमा नहीं। परिणामस्वरूप कुछ सदस्य असीमित समय के लिए बोल सकते हैं और इस तरह विशेष अधिवेशन के अंतिम चरण में किसी विधेयक या प्रस्ताव को समाप्त

Scanned by TapScanner

का देते हो, जिसे 'filibustering' कहा जाता है लेकिन 1917 में सीनेट ने एक नया नियम बनाया जिसके अनुसार कोई भी 16 सदस्य वाद-विवाद को बंद करने का आवेदन कर सकते हो और यदि दो-तिहाई बहुमत से इस आवेदन को सीनेट मान ले तो फिजूल वाद विवाद को समाप्त किया जा सकता है

सीनेट के पदाधिकारी – अमेरिका का उपराष्ट्रपति सीनेट का पदेन (ex-officio) सभापति होता है वह उसकी बैठकों की अध्यक्षता करता है उसे वाद-विवाद में भाग लेने का न तो अधिकार है और न साधारण स्थिति में वह मतदान कर सकता है सिर्फ टाई (tie) की स्थिति में उसे निर्णायक मत देने का अधिकार है उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति में अध्यक्ष -पद ग्रहण करने के लिए सीनेट के सदस्य अपने बीच से अध्यक्ष का निर्वाचन करते है, जिसे अस्थायी अध्यक्ष कहते है सीनेट के अन्य पदाधिकारियों में बहुमत दल के नेता, दल सचेतक तथा सचिव आदि होते है।

⇒ सीनेट के अधिकार और कार्य (Powers and functions of the Senate) –

अमेरिकी संविधान में सीनेट को केवल कांग्रेस का उच्च सदन ही नहीं, वरन् कुछ विशेष स्थिति प्रदान की गई है सीनेट प्रतिनिधि सभा की असंतोषिक असावधानी तथा राष्ट्रपति की निरंकुशता पर नियंत्रण की एक शक्ति है यह द्वितीय सदन होते हुए भी ब्रिटिश लार्ड्स-सभा या भारतीय राज्य सभा की तरह न होकर, उससे बहुत अधिक है। "संयुक्त राज्य का सीनेट विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली द्वितीय सदन है" अन्य देशों की शासन व्यवस्था में द्वितीय सदन की शक्तियों में कमी आई है; लेकिन सीनेट के